उत्तराखंड अग्निवीरों को रोज़गार प्रदान करेगा

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य सरकार **अग्निवीरों के आरक्षण** के **लिये प्रस्ताव लाने जा रही है।**

मुख्य बिंदु

- राज्य के अग्निवीरों को राष्ट्र की सेवा करने के बाद **सरकारी विभागों और पुलिस विभाग में रोज़गार दिया जाएगा।**
- **गुरु पूर्णिमा** के अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपनी माँ के साथ मिलकर '**एक पेड़ माँ के नाम**' अभियान के तहत पौधारोपण किया।
    - **यह अभियान प्रकृति के साथ-साथ माताओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है।**

अग्निपथ योजना

- **"अग्निवीर"** शब्द का अर्थ "अग्नि-योद्धा" है और यह एक **नया सैन्य पद** है।
- यह **अधिकारी रैंक से नीचे के सैन्य कार्मिकों** जैसे **सैनिकों, वायुसैनिकों और नाविकों की नियुक्ति** की एक योजना है, जो **भारतीय सशस्त्र बलों** में कमीशन प्राप्त अधिकारी नहीं हैं।
- उन्हें **4 वर्ष** की अवधि के लिये नियुक्त किया जाता है, जिसके बाद, इनमें से **25% तक** (जिन्हें अग्निवीर कहा जाता है), योग्यता और संगठनात्मक आवश्यकताओं के अधीन, **स्थायी कमीशन** (अन्य 15 वर्ष) पर सेवाओं में शामिल हो सकते हैं।
- वर्तमान में, चिकित्सा शाखा के तकनीकी संवर्ग को छोड़कर **सभी नाविकों, वायुसैनिकों और सैनिकों** को इस योजना के तहत सेवाओं में नियुक्त किया जाता है।

गुरु पूर्णिमा

- हिंदू कैलेंडर के अनुसार, गुरु पूर्णिमा आमतौर पर **हिंदू माह आषाढ़ की पूर्णिमा के दिन आती है।**
- यह महर्षि वेद व्यास को समर्पित है, **जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने पवित्र हिंदू ग्रंथ वेदों का संपादन किया था तथा 18 पुराणों, महाभारत और श्रीमद्भागवतम की रचना की थी।**
- बौद्ध धर्मावलंबियों के लिये **यह त्योहार भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश का प्रतीक है,** जिसके बारे में कहा जाता है कि यह उपदेश इसी दिन उत्तर प्रदेश के सारनाथ में दिया गया था।
- ऐसा भी माना जाता है कि यह दिन **मानसून के आगमन का सूचक** होता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-to-offer-jobs-to-agniveers